राजेश्वर कुमार विश्वकर्मा (सहा० प्राध्यापक)
तारकेश्वर नारायण शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय
हरिगाँव आरा

दिनांक
24.04.2021

कक्षा - B.Ed 1st year
सत्र - 2020-22
विषय - CC-3 अधिगम एवं शिक्षण
प्रकरण - थार्नडाइक का सम्बन्धवाद सिद्धान्त

⇒ इस सिद्धान्त का प्रतिपादन अमेरिकी मनोवैज्ञानिक एडवर्ड एल० थार्नडाइक ने किया था

⇒ इस सिद्धान्त को कई नामों से जानते है —

① उद्दीपन अनुक्रिया सिद्धान्त
② सम्बन्धवादी सिद्धान्त
③ बन्धन सिद्धान्त
④ S-R सिद्धान्त
⑤ प्रयास एवं त्रुटि सिद्धान्त

प्रयोग - इन्होंने बिल्लीयों, चूहों, मुर्गियों के उपर प्रयोग किया लेकिन सबसे ज्यादा प्रचलित प्रयोग बिल्ली पर रहा।

प्रयोग के निष्कर्ष के बाद थार्नडाइक ने दो तथ्य बताये

1 — बिल्ली भूखी होनी चाहिए अर्थात सीखने के लिए अभिप्रेरणा होनी चाहिए

2. बिल्ली की भूख को सन्तुष्ट करने के लिए भोजन का होना जरूरी है जो पुनर्बलन का कार्य कर सके।

Scanned with CamScanner

⇒ प्रयोग के आधार पर थार्नडाइक कहा – "सीखना एक क्रमिक प्रक्रिया है" बिल्ली सीखने का कार्य एक क्रम में करती है।

① चालक – भूख एक चालक का कार्य करता है। जिसे पिंजरे के बाहर रखा भोजन अधिक सक्रिय करता है।

② लक्ष्य – पिंजरे के बाहर आना भोजन प्राप्त करना ही लक्ष्य है

③ अवरोध – पिंजरे में बन्द करके रखना ही लक्ष्य की प्राप्ति में अवरोध है

④ अनियमित क्रियाएं – बिल्ली द्वारा इधर-उधर करना जिसके की वह बाहर आ सके अनियमित क्रियाएं है।

⑤ संयोगवश सफलता :– लगातार किये गये तरह-2 के प्रयासों के दौरान संयोगवश बिल्ली पिंजरे का दरवाजा खोलने में सफल हो जाती है।

⑥ सही अनुक्रिया का चयन :– धीरे-2 बिल्ली दरवाजा खोलने की सही क्रिया सीख लेती है।

⑦ दृढ़ीकरण :– अन्त में बिल्ली ने सभी गलत अनुक्रियाओं का त्याग करते हुए खटके को दबाकर खोलने के ढंग को सीख लेती है।

Scanned with CamScanner